

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५७] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी २१, १९७०/फाल्गुन २, १८९१

No. 57] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1970/PHALGUNA 2, 1891

इस भाग में निम्नपृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 21st February 1970

S.O. 715.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 1196, dated the 13th April, 1966, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce Nos. S.O. 1466, dated the 13th May, 1966, S.O. 1346, dated the 12th April, 1967, S.O. 2377, dated the 12th July, 1967, S.O. 2564, dated the 31st July, 1967, S.O. 3088, dated the 1st September, 1967, S.O. 3308, dated the 15th September, 1967, S.O. 3695, dated the 16th October, 1967, S.O. 1343, dated the 15th April, 1968, S.O. 2081, dated the 7th June, 1968, S.O. 2757, dated the 2nd August, 1968, S.O. 3716, dated the 15th October, 1968, and the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) Nos. S.O. 1432, dated the 15th April, 1969, S.O. 4161, dated the 10th October, 1969, and the Ministry of Foreign Trade Nos. S.O. 229, dated the 15th January, and S.O. 388, dated the 31st January, 1970, the management of the industrial undertaking known as the Swadeshi Cotton and Flour Mills Limited, Indore had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of 22nd February, 1970;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a period upto the 22nd May, 1970;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto the 22nd May, 1970.

[No. F. 10(8) Tex(A)/64-Tex(G).]

DEVINDAR NATH, Joint Secy.

विदेशी व्यापार मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1970

का० आ० 715.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 1466, दिनांक 13 मई, 1966, का० आ० 1346, 2 अप्रैल, 1967, का० आ० 2377, दिनांक 12 जुलाई, 1967, का० आ० 2564, दिनांक 31 जुलाई, 1967, का० आ० 3088, दिनांक 1 सितम्बर, 1967, का० आ० 3308, दिनांक 15 सितम्बर, 1967, का० आ० 3695, दिनांक 16 अक्टूबर, 1967, का० आ० 1343, दिनांक 15 अप्रैल, 1968, का० आ० 2081, दिनांक 7 जून, 1968, का० आ० 2757, दिनांक 2 अगस्त, 1968 का० आ० 3716, दिनांक 15 अक्टूबर, 1968 और भूतपूर्व विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय (विदेशी व्यापार विभाग) संख्या का० आ० 1432 दिनांक 15 अप्रैल, 1969 तथा का० आ० 4161, दिनांक 10 अक्टूबर, 1969 और विदेशी व्यापार मंत्रालय का० आ० 229, दिनांक 15 जनवरी 1970 और का० आ० 388 दिनांक 31 जनवरी, 1970 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 1196, दिनांक 13 अप्रैल 1966 द्वारा दि. स्वदशी काटन एण्ड फ्लोर मिल्स लिमिटेड, इन्दौर नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपरिवर्णित अंतिम आदेश में निश्चित प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 22 फरवरी, 1970 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है ग्रहण कर लिया गया था।

और यतः कन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण 22 मई 1970 तक की अवधि के लिये बना रहना चाहिये।

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित अंतिम आदेश का प्रभाव 22 मई, 1970 तक की आगामी अवधि के लिये और बना रहेगा।

[सं० फा० 10 (8)-टैक्स (ए)/64-टैक्स जी]

देवेन्द्र नाथ, संयुक्त सचिव।